

МШ-25

МИНПРОСВЕЩЕНИЯ РОССИИ

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования Нижегородский государственный педагогический университет имени Козьмы Минина

План утвержден Ученым советом вуза  
Протокол № 9 от 20.03.2025

# РАБОЧИЙ УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

44.03.05

НАПРАВЛЕНИЕ ПОДГОТОВКИ 44.03.05 ПЕДАГОГИЧЕСКОЕ ОБРАЗОВАНИЕ (С ДВУМЯ ПРОФИЛЯМИ ПОДГОТОВКИ)  
ПРОФИЛЬ ПОДГОТОВКИ МАТЕМАТИКА И ИНФОРМАТИКА

Кафедра: Физики, математики и физико-математического образования

Факультет: физико-технологический

Квалификация: Бакалавр

Форма обучения: Очная

Срок получения образования: 5 л.

Типы задач профессиональной деятельности

педагогический

проектный

методический

сопровождения

организационно-управленческий

Образовательный стандарт (ФГОС)

№ 125 от 22.02.2018

## СОГЛАСОВАНО

Проректор по УМД

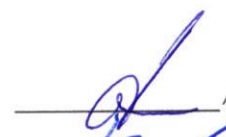
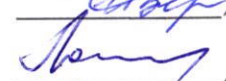
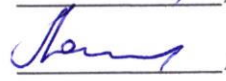
Начальник УМУ

Начальник ОПиОУП

Начальник ОУОП

Декан

Зав. кафедрой

 / Толстенева А.А./  
 / Вагин Д.Ю./  
 / Лебедева Т.Е./  
 / Зеленкова И.А./  
 / Лапин Н.И./  
 / Лапин Н.И./

[illegible]

План Учебный план бакалавриата '44.03.05\_МИ-25 (Ядро).plx', код направления 44.03.05, год начала подготовки

| № п/п | Проект | Наименование | Вспомогательные материалы |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 277 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 279 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 281 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 283 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 285 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 287 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 289 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 291 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 293 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 295 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 297 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 299 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 301 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 303 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 305 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 307 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 309 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 311 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 313 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 315 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 317 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 319 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 321 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 323 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 327 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 329 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 331 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 333 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 335 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 337 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 339 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 341 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 343 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 345 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 347 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 349 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 351 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 353 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 355 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 357 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 359 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 361 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 363 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 365 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 367 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 369 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 371 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 373 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 375 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 377 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 379 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 381 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 383 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 385 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 387 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 388 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 389 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 390 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 391 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 392 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 393 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 394 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 395 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 396 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 397 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 398 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 399 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 400 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 401 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 402 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 403 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 404 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 405 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 406 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 407 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 408 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 409 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 410 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 411 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 412 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 413 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 414 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 415 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 416 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 417 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 418 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 419 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 420 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 421 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 422 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 423 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 424 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 425 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 426 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 427 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 428 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 429 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 430 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 431 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 432 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 433 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 434 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 435 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 436 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 437 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 438 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 439 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 440 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 441 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 442 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 443 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 444 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 445 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 446 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 447 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 448 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 449 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 450 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 451 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 452 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 453 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 454 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 455 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 456 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 457 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 458 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 459 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 460 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 461 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 462 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 463 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 464 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 465 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 466 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 467 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 468 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 469 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 470 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 471 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 472 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 473 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 474 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 475 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 476 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 477 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 478 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 479 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 480 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 481 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 482 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 483 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 484 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 485 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 486 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 487 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 488 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 489 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 490 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 491 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 492 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 493 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 494 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 495 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 496 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 497 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 498 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 499 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 501 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 502 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 503 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 504 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 505 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 506 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 507 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 508 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 509 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 510 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 511 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 512 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 513 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 514 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 515 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 516 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 517 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 518 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 519 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 520 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 521 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 522 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 523 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 524 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 525 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 526 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 527 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 528 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 529 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 530 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 531 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 532 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 533 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 534 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 535 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 536 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 537 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 538 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 539 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 540 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 541 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 542 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 543 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 544 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 545 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 546 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 547 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 548 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 549 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 550 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 551 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 552 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 553 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 554 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 555 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 556 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 557 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 558 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 559 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 560 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 561 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 562 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 563 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 564 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 565 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 566 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 567 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 568 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 569 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 570 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 571 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 572 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 573 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 574 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 575 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 576 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 577 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 578 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 579 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 580 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 581 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 582 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 583 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 584 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 585 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 586 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 587 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 588 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 589 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 590 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 591 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 592 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 593 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 594 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 595 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 596 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 597 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 598 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 599 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 600 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 601 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 602 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 603 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 604 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 605 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 606 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 607 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 608 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 609 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 610 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 611 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 612 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 613 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 614 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 615 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 616 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 617 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 618 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 619 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 620 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 621 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 622 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 623 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 624 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 625 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 626 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 627 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 628 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 629 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 630 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 631 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 632 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 633 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 634 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 635 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 636 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 637 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 638 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 639 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 640 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 641 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 642 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 643 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 644 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 645 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 646 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 647 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 648 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 649 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 650 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 651 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 652 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 653 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 654 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 655 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 656 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 657 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 658 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 659 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 660 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 661 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 662 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 663 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 664 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 665 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 666 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 667 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 668 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 669 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 670 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 671 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 672 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 673 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 674 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 675 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 676 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 677 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 678 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 679 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 680 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 681 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 682 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 683 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 684 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 685 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 686 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 687 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 688 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 689 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 690 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 691 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 692 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 693 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 694 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 695 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 696 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 697 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 698 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 699 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 700 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 701 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 702 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 703 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 704 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 705 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 706 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 707 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 708 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 709 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 710 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 711 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 712 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 713 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 714 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 715 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 716 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 717 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 718 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 719 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 720 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 721 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 722 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 723 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 724 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 725 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 726 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 727 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 728 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 729 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 730 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 731 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 732 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 733 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 734 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 735 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 736 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 737 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 738 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 739 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 740 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 741 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 742 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 743 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 744 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 745 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 746 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 747 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 748 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 749 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 750 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 751 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 752 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 753 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 754 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 755 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 756 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 757 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 758 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 759 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 760 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 761 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 762 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 763 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 764 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 765 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 766 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 767 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 768 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 769 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 770 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 771 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 772 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 773 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 774 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 775 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 776 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 777 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 778 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 779 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 780 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 781 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 782 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 783 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 784 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 785 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 786 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 787 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 788 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 789 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 790 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 791 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 792 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 793 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 794 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 795 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 796 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 797 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 798 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 799 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 800 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 801 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 802 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 803 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 804 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 805 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 806 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 807 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 808 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 809 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 810 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 811 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 812 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 813 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 814 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 815 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 816 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 817 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 818 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 819 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 820 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 821 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 822 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 823 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 824 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 825 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 826 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 827 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 828 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тема 829 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------|--------|--------------|---------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-------|--------|--------------|---------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| Индекс                                                  | Содержание                                                                                                                                                                                                                                                                                 | Тип |
|---------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| УК-1                                                    | Способен осуществлять поиск, критический анализ и синтез информации, применять системный подход для решения поставленных задач                                                                                                                                                             | УК  |
| УК-2                                                    | Способен определять круг задач в рамках поставленной цели и выбирать оптимальные способы их решения, исходя из действующих правовых норм, имеющихся ресурсов и ограничений                                                                                                                 | УК  |
| УК-3                                                    | Способен осуществлять социальное взаимодействие и реализовывать свою роль в команде                                                                                                                                                                                                        | УК  |
| УК-4                                                    | Способен осуществлять деловую коммуникацию в устной и письменной формах на государственном языке Российской Федерации и иностранном(ых) языке(ах)                                                                                                                                          | УК  |
| УК-5                                                    | Способен воспринимать межкультурное разнообразие общества в социально-историческом, этическом и философском контекстах                                                                                                                                                                     | УК  |
| УК-6                                                    | Способен управлять своим временем, выстраивать и реализовывать траекторию саморазвития на основе принципов образования в течение всей жизни                                                                                                                                                | УК  |
| УК-7                                                    | Способен поддерживать должный уровень физической подготовленности для обеспечения полноценной социальной и профессиональной деятельности                                                                                                                                                   | УК  |
| УК-8                                                    | Способен создавать и поддерживать в повседневной жизни и в профессиональной деятельности безопасные условия жизнедеятельности для сохранения природной среды, обеспечения устойчивого развития общества, в том числе при угрозе и возникновении чрезвычайных ситуаций и военных конфликтов | УК  |
| УК-9                                                    | Способен принимать обоснованные экономические решения в различных областях жизнедеятельности                                                                                                                                                                                               | УК  |
| УК-10                                                   | Способен формировать нетерпимое отношение к проявлениям экстремизма, терроризма, коррупционному поведению и противодействовать им профессиональной деятельности                                                                                                                            | УК  |
| ОПК-1                                                   | Способен осуществлять профессиональную деятельность в соответствии с нормативными правовыми актами в сфере образования и нормами профессиональной этики                                                                                                                                    | ОПК |
| ОПК-2                                                   | Способен участвовать в разработке основных и дополнительных образовательных программ, разрабатывать отдельные их компоненты (в том числе с использованием информационно-коммуникационных технологий)                                                                                       | ОПК |
| ОПК-3                                                   | Способен организовывать совместную и индивидуальную учебную и воспитательную деятельность обучающихся, в том числе с особыми образовательными потребностями, в соответствии с требованиями федеральных государственных образовательных стандартов                                          | ОПК |
| ОПК-4                                                   | Способен осуществлять духовно-нравственное воспитание обучающихся на основе базовых национальных ценностей                                                                                                                                                                                 | ОПК |
| ОПК-5                                                   | Способен осуществлять контроль и оценку формирования результатов образования обучающихся, выявлять и корректировать трудности в обучении                                                                                                                                                   | ОПК |
| ОПК-6                                                   | Способен использовать психолого-педагогические технологии в профессиональной деятельности, необходимые для индивидуализации обучения, развития, воспитания, в том числе обучающихся с особыми образовательными потребностями                                                               | ОПК |
| ОПК-7                                                   | Способен взаимодействовать с участниками образовательных отношений в рамках реализации образовательных программ                                                                                                                                                                            | ОПК |
| ОПК-8                                                   | Способен осуществлять педагогическую деятельность на основе специальных научных знаний                                                                                                                                                                                                     | ОПК |
| ОПК-9                                                   | Способен понимать принципы работы современных информационных технологий и использовать их для решения задач профессиональной деятельности                                                                                                                                                  | ОПК |
| Тип задач профессиональной деятельности: педагогический |                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| ПК-1                                                    | Способен осваивать и использовать теоретические знания и практические умения и навыки в предметной области при решении профессиональных задач                                                                                                                                              | -   |
| ПК-2                                                    | Способен осуществлять целенаправленную воспитательную деятельность                                                                                                                                                                                                                         | -   |
| ПК-3                                                    | Способен формировать развивающую образовательную среду для достижения личностных, предметных и метапредметных результатов обучения средствами преподаваемых учебных предметов                                                                                                              | -   |
| Тип задач профессиональной деятельности: проектный      |                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |

| Индекс                                                                 | Содержание                                                                                                                         | Тип |
|------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| ПК-5                                                                   | Способен организовывать индивидуальную и совместную учебно-проектную деятельность обучающихся в соответствующей предметной области | ПК  |
| Тип задач профессиональной деятельности: сопровождения                 |                                                                                                                                    |     |
| ПК-6                                                                   | Способен использовать современные методы и технологии обучения лиц с ограниченными возможностями здоровья                          | -   |
| ПК-7                                                                   | Способен к обеспечению охраны жизни и здоровья, обучающихся в учебно-воспитательном процессе и внеурочной деятельности             | -   |
| Тип задач профессиональной деятельности: методический                  |                                                                                                                                    |     |
| ПК-8                                                                   | Способен организовывать образовательный процесс с использованием современных образовательных технологий, в том числе дистанционных | -   |
| Тип задач профессиональной деятельности: организационно-управленческий |                                                                                                                                    |     |
| ПК-9                                                                   | Способен планировать, организовывать, контролировать и координировать образовательный процесс                                      | -   |

